Semester 1an G!

झारखण्ड का भौतिक स्वरूप

अध्याय 1

Scanned with CamScanner

Semester-1 झारखण्ड का भौतिक स्वरूप - अध्याय 1

प्रश्न- झारखंड के खनिज निजदान पर प्रकाश डालें

झारखंड की धरती सभी अर्थों में भूगर्भ और रत्नगर्भा है। इस धरा ने अपने अन्दर न जाने कौन-कौन से बहुमूल्य खनिज सम्पदाओं के विपुल भण्डार को संजोये रखा है। इस नवनिर्मित प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मूल आधार ही यहाँ से प्राप्त खनिज सम्पदा एवं उन पर आधारित उद्योग-धन्धे हैं। इस कारण झारखण्ड को भारत का रूर भी कहा जाता है की रामगढ़, टाटी सिलवे, घाटशिला, धनबाद, झरिया, जमशेदपुर, लोहरदगा, बोकारो, सिन्दरी, कुमारधुबी, राँची आदि अनेक शहर खनिज सम्पदाओं के ढेर पर बसे एवं विकसित हैं। भारत के खनिज सम्पदा के कुल उत्पादन का 40% हिस्सा झारखण्ड से ही प्राप्त होता है। यह प्रदेश 58% अबरख, 30% कायनाइट, 33% ताम्बा 33% कोयला, 32% बाक्साइट तथा 23% के आस पास लोहा उत्पादित करता है।

इन खनिज सम्पदाओं के अलावा इस धरती के गर्भ में क्रोमियम, मैंगनीज, चीनी मिट्टी, फायर क्ले, चूना पत्थर, डोलोमाइट

Scanned with CamScanner

ऐरबेस्टस, यूरेनियम, सोना और इस्पात भी पाए जाते हैं।

झारखंड के खनिज सम्पदा और उनके उत्पादन क्षेत्र का विवरण निम्न तालिका से स्पष्ट कर सकते हैं —

| खनिज सम्पदा का नाम | भारत में स्थान | उत्पादन क्षेत्र |
| --- | --- | --- |
| तांबा | प्रथम | घाटशिला, राखा |
| अभ्रक | प्रथम | कोडरमा, झुमरीतलैया |
| कायनाइट | प्रथम | लिपसा बुरु, राखसाकों |

Scanned with CamScanner

| | |
|---|---|
| सोना | सोना हीरानागपुर |
| चाँदी | हजारीबाग, पलामू |
| एसबेस्टस | राँची, सिंहभूम |
| चीनी मिट्टी | राँची, संथाल परगना |
| रॉक फास्फेट | राँची, धनबाद |
| चूना पत्थर | रामगढ़ घाटी, संथाल परगना |
| डोलोमाइट | गढ़वाला, पलामू |
| टाल्क | हजारीबाग, सिंहभूम |
| शीशा | बारागुंडा, टंडा। |
| टीन | हजारीबाग, संथाल परगना |
| फेल्सपार | सिंहभूम |
| क्रोमियम | सरायकेला, जोजुहातू |

राजश्री आरोही

Scanned with CamScanner